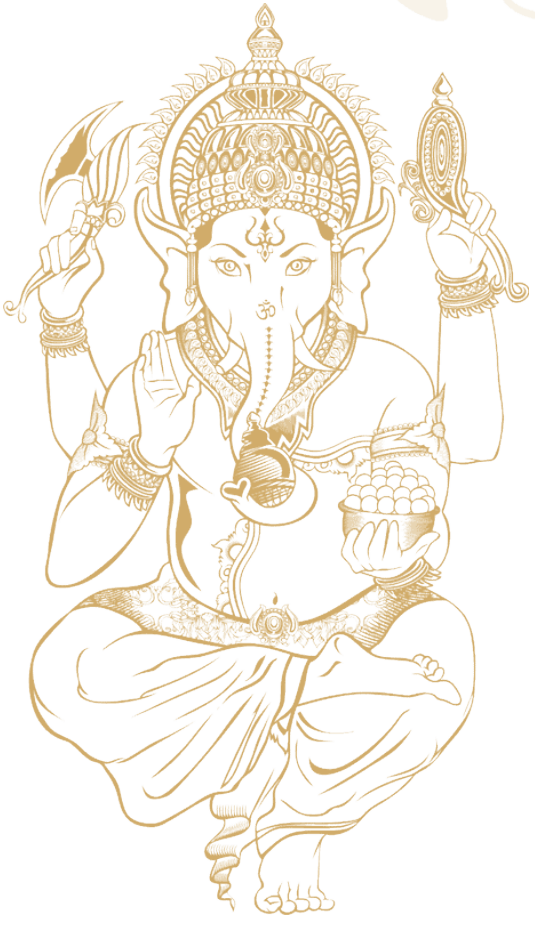

Nemichand

07 Nov 1972

05:30 AM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120937112

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/11/1972**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:30:00 घंटे**
इष्ट	56:55:31 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:00:56 घंटे
वेलान्तर	00:16:23 घंटे
साम्पातिक काल	08:06:05 घंटे
सूर्योदय	06:43:47 घंटे
सूर्यास्त	17:41:30 घंटे
दिनमान	10:57:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	21:11:52 तुला
लग्न के अंश	04:18:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सौभाग्य
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:18:21	314:38:23	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			तुला	21:11:52	01:00:15	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	01:27:08	11:50:42	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			तुला	00:37:45	00:39:29	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			वृश्चि	14:18:48	00:54:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	12:32:53	00:11:02	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			कन्या	15:04:33	01:12:39	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि	व		वृष	26:00:44	00:03:34	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु	व		धनु	25:19:27	00:11:14	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु	व		मिथु	25:19:27	00:11:14	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष			कन्या	26:49:51	00:03:32	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	---
नेप			वृश्चि	10:45:13	00:02:09	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
प्लूटो			कन्या	09:57:08	00:01:50	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	05:53:16	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:28:55

लग्न-चलित

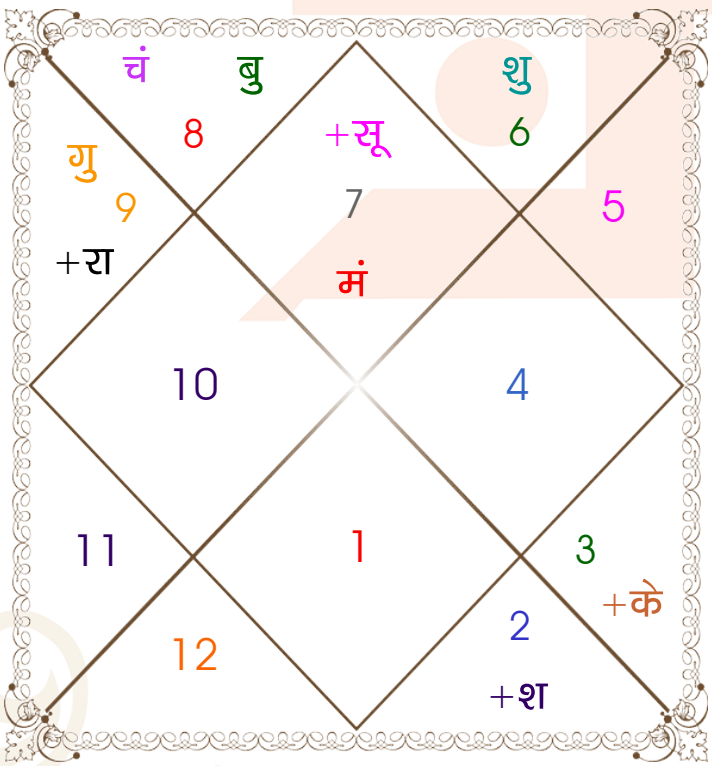

चन्द्र कुंडली

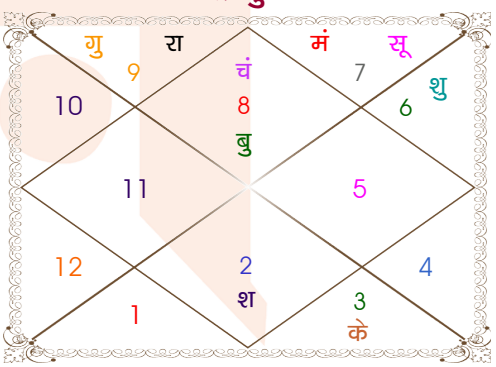

नवमांश कुंडली

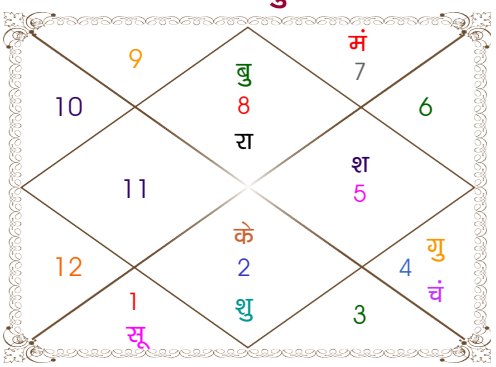

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 3 मास 2 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/11/1972		09/02/1975		09/02/1994		09/02/2011		09/02/2018	
09/02/1975		09/02/1994		09/02/2011		09/02/2018		09/02/2038	
	00/00/0000	शनि	12/02/1978	बुध	08/07/1996	केतु	08/07/2011	शुक्र	10/06/2021
	00/00/0000	बुध	22/10/1980	केतु	05/07/1997	शुक्र	06/09/2012	सूर्य	11/06/2022
	00/00/0000	केतु	01/12/1981	शुक्र	05/05/2000	सूर्य	12/01/2013	चंद्र	09/02/2024
	00/00/0000	शुक्र	31/01/1985	सूर्य	11/03/2001	चंद्र	13/08/2013	मंगल	11/04/2025
	00/00/0000	सूर्य	13/01/1986	चंद्र	11/08/2002	मंगल	10/01/2014	राहु	10/04/2028
	00/00/0000	चंद्र	14/08/1987	मंगल	08/08/2003	राहु	28/01/2015	गुरु	10/12/2030
	00/00/0000	मंगल	22/09/1988	राहु	24/02/2006	गुरु	04/01/2016	शनि	09/02/2034
	07/11/1972	राहु	30/07/1991	गुरु	01/06/2008	शनि	12/02/2017	बुध	10/12/2036
राहु	09/02/1975	गुरु	09/02/1994	शनि	09/02/2011	बुध	09/02/2018	केतु	09/02/2038

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
09/02/2038		09/02/2044		09/02/2054		09/02/2061		09/02/2079	
09/02/2044		09/02/2054		09/02/2061		09/02/2079		07/11/2092	
सूर्य	30/05/2038	चंद्र	10/12/2044	मंगल	08/07/2054	राहु	23/10/2063	गुरु	29/03/2081
चंद्र	28/11/2038	मंगल	11/07/2045	राहु	27/07/2055	गुरु	17/03/2066	शनि	11/10/2083
मंगल	05/04/2039	राहु	10/01/2047	गुरु	02/07/2056	शनि	21/01/2069	बुध	16/01/2086
राहु	28/02/2040	गुरु	11/05/2048	शनि	10/08/2057	बुध	11/08/2071	केतु	23/12/2086
गुरु	16/12/2040	शनि	10/12/2049	बुध	08/08/2058	केतु	28/08/2072	शुक्र	23/08/2089
शनि	28/11/2041	बुध	12/05/2051	केतु	04/01/2059	शुक्र	29/08/2075	सूर्य	11/06/2090
बुध	04/10/2042	केतु	11/12/2051	शुक्र	05/03/2060	सूर्य	23/07/2076	चंद्र	11/10/2091
केतु	09/02/2043	शुक्र	10/08/2053	सूर्य	11/07/2060	चंद्र	22/01/2078	मंगल	16/09/2092
शुक्र	09/02/2044	सूर्य	09/02/2054	चंद्र	09/02/2061	मंगल	09/02/2079	राहु	07/11/2092

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 3 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।